

भास्कर खास • वायरस पर प्रभावी असर दिखा रहा पौधे का सत्व, अन्य बीमारियों के इलाज में भी मिलेगी मदद आईआईटी इंदौर ने खोजा गैस्ट्रिक कैंसर उत्पन्न करने वाले वायरस का प्राकृतिक इलाज, बीमारी की वृद्धि दर नियंत्रित कर सकेंगे

भास्कर संवाददाता | इंदौर

आईआईटी इंदौर ने गैस्ट्रिक कैंसर के उपचार का प्राकृतिक उपाय खोजा है। जिस प्लांट एक्सट्रैक्ट की टीम ने खोज की है, उससे अल्जाइमर, मल्टीपल स्क्लेरोसिस के इलाज में भी मदद मिलेगी। यह शोध आईआईटी इंदौर के प्रो. हेमचंद्र झा ने दीक्षा तिवारी, स्नेहा मुर्मू, ओंकार इन्दारी और सुनील कुमार की सहायता से किया है। पहले चरण में कई अलग-अलग प्रकार के प्राकृतिक रसायनों और प्लांट एक्सट्रैक्ट (पौधे का सत्व) का गैस्ट्रिक कैंसर पैदा करने वाले वायरस पर प्रभाव देखा है। जो प्लांट एक्सट्रैक्ट असरकारक साबित हुआ है, उसका उपयोग दवा बनाने के लिए किया जाएगा। इस शोध का प्रकाशन एक अंतरराष्ट्रीय मैगजीन में भी हुआ है। प्रो. झा के अनुसार फिलहाल जो दवाइयां इस्तेमाल की

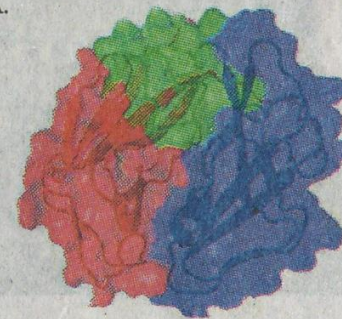
जाती हैं, वह केमिकल आधारित होने के चलते कुछ हद तक घातक भी हैं। प्लांट एक्सट्रैक्ट सिर्फ वायरस पर हमला करेगा, जिससे मरीज के शरीर पर कम से कम नुकसान होगा। रिसर्च अभी जारी है, इसलिए टीम ने अभी पौधे के बारे में जानकारी उजागर नहीं की है। टीम ने फिलहाल कम्प्यूटर पर इसका प्रयोग करके देखा गया है और आने वाले समय में इसे लैब में टेस्ट किया जाएगा। उसके बाद ही इसकी दवाई बनाई जाएगी।

वायरस को बढ़ने से रोकेगा एक्सट्रैक्ट

- प्लांट एक्सट्रैक्ट वायरस के प्रजनन पर रोक लगा देगा। इससे संक्रमण फैलने की दर रुकेगी।
- यह प्लांट बेस्ड एक्सट्रैक्ट वायरस के डीयूटीपेस एंजाइम पर असर करता है, जो कि इस वायरस की संख्या बढ़ाने के लिए जिम्मेदार होता है।

अलग-अलग रसायनों के साथ किया प्रभाव का आकलन

A.



B.



- रिसर्च में प्राकृतिक रसायन वायरस पर प्रभावी पाए गए हैं।

ब्रेन इन्फेक्शन पर भी की थी बड़ी रिसर्च

आईआईटी की यही टीम एप्सटीन बार वायरस (ईबीवी) के कारण होने वाले ब्रेन के इन्फेक्शन और बीमारियों का इन्फेक्शन 2 घंटे में पता लगाने की तकनीक खोज चुकी है।